PAPER-II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 73 16

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:

संस्कृत परम्परागत विषय

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – II

प्रश्नपत्र – II

Paper – II

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना: उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (**50**) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

समुचितं विकल्पं चिनुत –

सही विकल्प का चयन कीजिए –

Choose the correct option –

1. 'सा नो भूमिर्भूरिधारा पयो दुहाम्'

– इति वेदवाक्यं कुत्र प्राप्यते ?

– यह वेदवाक्य कहाँ पाया जाता है ?

– Where is found this vedic sentence ?

(1) अथर्ववेदे

(2) सामवेदे

(3) शुक्लयजुर्वेदे

(4) कृष्णयजुर्वेदे

2. 'उष्णिक्' छन्दसि अक्षराणां संख्या अस्ति –

'उष्णिक्' छन्द में अक्षरों की संख्या है –

The Number of letters in उष्णिक् metre is

(1) द्वात्रिंशत्

(2) अष्टाविंशति:

(3) षट्त्रिंशत्

(4) चत्वारिंशत्

3. अर्थसंग्रहानुसारम् 'अर्थवादस्य' कति भेदा: सन्ति ?

अर्थसंग्रह के अनुसार 'अर्थवाद' के कितने भेद हैं ?

How many are the kinds of 'अर्थवाद' according to अर्थसंग्रह ?

(1) पञ्च

(2) त्रय:

(3) चत्वार:

(4) षट्

4. अग्निहोत्रस्य प्रमुखदेवता का ?

अग्निहोत्र का प्रमुख देवता कौन है ?

Who is the prime deity of अग्निहोत्र ?

(1) सूर्य:

(2) अग्नि:

(3) इन्द्र:

(4) वरुण:

5. माध्यन्दिनसंहितायां 'शिवसंकल्पसूक्तं' कस्मिन् अध्याये वर्णितमस्ति ?

माध्यन्दिनसंहिता में 'शिवसंकल्पसूक्त' किस अध्याय में वर्णित है ?

In which chapter of माध्यन्दिनसंहिता is described शिवसंकल्पसूक्त ?

(1) 31

(2) 16

(3) 3

(4) 34

6. 'ऋचं वाचं प्र पद्ये.'

– मन्त्रभागोऽस्ति –

– मन्त्रभाग है –

– मन्त्रभाग is –

(1) तैत्तिरीयसंहिताया:

(2) माध्यन्दिनसंहिताया:

(3) अथर्ववेदसंहिताया:

(4) ऋग्वेदसंहिताया:

7. 'नेष्टा' ऋत्विक् केन गणेन सम्बद्ध: ?

'नेष्टा' ऋत्विक् किस गण से सम्बद्ध है ?

To which group is connected the ऋत्विक् 'नेष्टा' ?

(1) होतृगणेन

(2) ब्रह्मगणेन

(3) अध्वर्युगणेन

(4) उद्गातृगणेन

8. शतपथब्राह्मणानुसारम् अश्वमेधयागे धृतिहोमस्य क: काल: ?

शतपथब्राह्मण के अनुसार अश्वमेधयाग में धृतिहोम का कौन-सा काल है ?

In which time is performed धृतिहोम in the अश्वमेध Sacrifice according to शतपथब्राह्मण ?

(1) प्रात:

(2) मध्याह्ने

(3) सायम्

(4) रात्रौ

9. 'अमी ईशा:' इत्युदाहरणे किं सूत्रं प्रवर्तते ?

'अमी ईशा:' इस उदाहरण में किस सूत्र की प्रवृत्ति होती है ?

Which sūtra applies in the example 'अमी ईशा:' ?

(1) ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्

(2) चादयोऽसत्त्वे

(3) अदसो मात्

(4) ओत्

10. 'अधि भुवि राम:' इत्यत्र 'अधि' इत्यस्य कर्मप्रवचनीयसञ्ज्ञा केन सूत्रेण भवति ?

'अधि भुवि राम:' यहाँ 'अधि' की कर्मप्रवचनीयसञ्ज्ञा किस सूत्र से होती है ?

By which rule is कर्मप्रवचनीय सञ्ज्ञा of 'अधि' in 'अधि भुवि राम :' ?

(1) उपोऽधिके च

(2) अधिरीश्वरे

(3) अधि-परी अनर्थकौ

(4) लक्षणेत्थम्भूताख्यान-भाग-वीप्सासु प्रतिपर्यनव:

11. 'पञ्चगङ्गम्' इत्यत्र कः समासः ?

'पञ्चगङ्गम्' यहाँ पर कौन-सा समास है ?

Which compound is in 'पञ्चगङ्गम्' ?

(1) द्वन्द्वः

(2) बहुव्रीहिः

(3) द्विगुः

(4) अव्ययीभावः

12. 'एनी' इत्यत्र ङीप् - विधायकं सूत्रमस्ति –

'एनी' इस प्रयोग में 'ङीप्' प्रत्यय का विधान करने वाला सूत्र है –

In the word 'एनी' the 'ङीप्' comes by the rule :

(1) वर्णादनुदात्तात्तोपधात्तो नः

(2) वयसि प्रथमे

(3) उगितश्च

(4) यञश्च

13. 'यशांसि' इत्यत्र अनुस्वार विधायकं सूत्रमस्ति –

'यशांसि' इस प्रयोग में अनुस्वार का विधान करने वाला सूत्र है –

In the word 'यशांसि' the अनुस्वार comes by the rule :

(1) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः

(2) नश्चापदान्तस्य झलि

(3) मोऽनुस्वारः

(4) वा पदान्तस्य

14. 'सप्तर्षयः' इत्यत्र समासोऽस्ति –

'सप्तर्षयः' में समास है –

The compound in 'सप्तर्षयः' is :

(1) अव्ययीभावः

(2) तत्पुरुषः

(3) द्वन्द्वः

(4) बहुव्रीहिः

15. 'जगतः कर्ता विष्णुर्नारायणः' इत्यत्र अनुक्तं कर्म किम् ?

'जगतः कर्ता विष्णुर्नारायणः' यहाँ अनुक्त कर्म कौन है ?

Which is अनुक्त कर्म in 'जगतः कर्ता विष्णुर्नारायणः' ?

(1) जगत्

(2) विष्णुः

(3) नारायणः

(4) कर्ता

16. 'गौरी' इत्यत्र 'ङीष्' प्रत्ययः केन सूत्रेण भवति ?

'गौरी' शब्द में 'ङीष्' प्रत्यय किस सूत्र से होता है ?

By which rule comes 'ङीष्' in the word 'गौरी' ?

(1) वोतो गुणवचनात्

(2) पुंयोगादाख्यायाम्

(3) बह्वादिभ्यश्च

(4) षिद्गौरादिभ्यश्च

17. 'पञ्चसिद्धान्तिका' इति ग्रन्थः कस्य रचनास्ति ?

'पञ्चसिद्धान्तिका' ग्रन्थ किसकी रचना है ?

Whose book is Pañcasiddhāntikā ?

(1) आर्यभट्टस्य

(2) वराहमिहिरस्य

(3) कल्याणवर्मणः

(4) भास्करस्य

18. एकस्मिन् कल्पे कति मन्वन्तराणि भवन्ति ?

एक कल्प में कितने मन्वन्तर होते हैं ?

How many Manvantaras exist in a Kalpa ?

(1) चतुर्दश

(2) त्रयोदश

(3) द्वादश

(4) दश

19. सावनदिनस्य का परिभाषा अस्ति ?

सावन दिन की क्या परिभाषा है ?

What is the definition of Sāvana day ?

(1) सूर्यचन्द्रमसोर्दैनिकगत्योः अन्तरम्

(2) नक्षत्रचक्रस्य भ्रमणकालः

(3) सूर्यस्य उदयादुदयमन्तरम्

(4) सूर्यस्य दैनिकगतिकालः

20. वर्तमानकाले कस्य मन्वन्तरं विद्यते ?

वर्तमान काल में किसका मन्वन्तर है ?

Whose Manvantara exists at present ?

(1) स्वायम्भुवस्य

(2) चाक्षुषस्य

(3) वैवस्वतस्य

(4) सावर्णेः

21. वरकन्ययोः मेलापके अधिकतमाः कति गुणा भवन्ति ?

वर कन्या के मेलापक में अधिकतम गुण कितने होते हैं ?

How many maximum gunas are considered in match making of groom and bride ?

(1) 27

(2) 32

(3) 18

(4) 36

22. मुसलयोगः कदा भवति ?

मुसलयोग कब होता है ?

When does occur the Musala Yoga ?

(1) यदा सर्वे ग्रहाः चर राशिषु भवन्ति

(2) यदा चत्वा रो ग्रहाः स्थिर राशिषु भवन्ति

(3) यदा सर्वे ग्रहाः स्थिर राशिषु भवन्ति

(4) यदा सर्वे क्रूर ग्रहाः लग्ने भवन्ति

23. 'मुंथा' इत्यस्य प्रयोगः कस्यां पद्धत्यां भवति ?

'मुंथा' का प्रयोग किस पद्धति में होता है ?

In which system is 'मुंथा' used ?

(1) होराशास्त्रपद्धत्याम्

(2) ताजिकपद्धत्याम्

(3) गोचरपद्धत्याम्

(4) प्रश्न पद्धत्याम्

24. मिथुनराशेः स्वामी कोऽस्ति ?

मिथुन राशि का स्वामी कौन है ?

Who is the Lord of Mithuna sign ?

(1) बुधः

(2) बृहस्पतिः

(3) शुक्रः

(4) सूर्यः

25. विश्वरूपेण कस्य ग्रन्थस्य व्याख्या कृता ?

विश्वरूप के द्वारा किस ग्रन्थ की व्याख्या की गयी है ?

Of which book the commentary is written by Vishwarupa ?

(1) ऋग्वेदस्य

(2) याज्ञवल्क्यस्मृते:

(3) अर्थशास्त्रस्य

(4) शुक्रनीते:

26. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं पैशाचो विवाहः कथं सम्पद्यते ?

याज्ञवल्क्यस्मृति के अनुसार पैशाच विवाह किस प्रकार होता है ?

How is performed पैशाच विवाह according to याज्ञवल्क्यस्मृति ?

(1) द्रविणादानात्

(2) कन्यकाछलात्

(3) मिथः समयात्

(4) युद्धहरणात्

27. पारस्करानुसारं सीमन्तोन्नयनसंस्कारः गर्भाधानात् कस्मिन् मासे भवति ?

पारस्कर के अनुसार सीमन्तोन्नयन संस्कार गर्भाधान के पश्चात् किस मास में होता है ?

According to Paraskar in which month सीमन्तोन्नयन संस्कार is performed after गर्भाधान ?

(1) प्रथमे

(2) चतुर्थे

(3) षष्ठे

(4) तृतीये

28. मनुस्मृत्युक्त्यनुसारेण "अद्भिः खानि च संस्पृशेत्" इत्यत्र 'खानि' पदस्य कोऽर्थः ?

मनुस्मृति की उक्ति के अनुसार "अद्भिः खानि च संस्पृशेत्" इसमें 'खानि' पद का क्या अर्थ है ?

According to the saying of मनुस्मृति "अद्भिः खानि च संस्पृशेत्" what is the meaning of 'खानि' ?

(1) खनिजद्रव्याणि

(2) इन्द्रियाणि सच्छिद्राणि

(3) नभः

(4) कृच्छ्राणि

29. मिताक्षरानुसारं 'नाराशंसी' पदस्य कोऽर्थः ?

मिताक्षरा के अनुसार 'नाराशंसी' पद का क्या अर्थ है ?

According to मिताक्षरा what is the meaning of the word 'नाराशंसी' ?

(1) प्रश्नोत्तररूपवेदवाक्यम्

(2) धर्मशास्त्रम्

(3) रुद्रदैवत्यमन्त्राः

(4) महाभारतम्

30. संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः क उच्यते ?

संस्कृत साहित्य का आदिकवि कौन कहा जाता है ?

Who is called 'आदिकवि' of Sanskrit Literature ?

(1) व्यासः

(2) भासः

(3) कालिदासः

(4) वाल्मीकिः

31. 'महाभारतस्य' अपरं नाम विद्यते –

'महाभारत' का दूसरा नाम है –

Another name of 'महाभारतम्' is –

(1) शतसाहस्री

(2) दशसाहस्री

(3) साहस्री

(4) द्विशतसाहस्री

32. भागवतपुराणमस्ति ।

भागवतपुराण को माना जाता है –

Bhāgavata Purāṇa is known as –

(1) क्षेत्रीयपुराणम्

(2) उपपुराणम्

(3) महापुराणम्

(4) इतिहासपुराणम्

33. 'सर्गश्च प्रतिसर्गाश्च.....पुराणं पञ्चलक्षणम्' इत्यत्र "प्रतिसर्गः" इत्यस्य कोऽर्थः ?

'सर्गश्च प्रतिसर्गाश्च.....पुराणं पञ्चलक्षणम्' इस श्लोक में "प्रतिसर्गः" शब्द का क्या अर्थ है ?

What is the meaning of "प्रतिसर्गः" in the quotation 'सर्गश्च प्रतिसर्गाश्च.....पुराणं पञ्चलक्षणम्' ?

(1) उत्पत्तिः

(2) विपत्तिः

(3) प्रलयः

(4) आलयः

34. प्रसिद्धा 'दुर्गासप्तशती' कस्मिन् पुराणे विद्यते ?

प्रसिद्ध 'दुर्गासप्तशती' किस पुराण में है ?

In which Purāṇa does the famous दुर्गासप्तशती exist ?

(1) श्रीमद्भागवतपुराणे

(2) देवीभागवतपुराणे

(3) मार्कण्डेयपुराणे

(4) वायुपुराणे

35. रूपगोस्वामिनः रचनाऽस्ति –

रूपगोस्वामी की रचना है –

The work of रूपगोस्वामिन् is :

(1) नाट्यदर्पणः

(2) शृङ्गारप्रकाशः

(3) रसार्णवसुधाकरः

(4) उज्ज्वलनीलमणिः

36. दशरूपके प्रकाशाः सन्ति –

'दशरूपक' में प्रकाश हैं –

There are Prakāśas in दशरूपक –

(1) Four (चत्वारः)

(2) Eight (अष्टौ)

(3) Five (पञ्च)

(4) Three (त्रयः)

37. काव्यशास्त्रे 'भुक्तिवाद' कस्य सिद्धान्तः ?

काव्यशास्त्र में 'भुक्तिवाद' किसका सिद्धान्त है ?

Who was established the theory of 'भुक्तिवाद' in काव्यशास्त्र ?

(1) अभिनवगुप्तस्य

(2) शङ्कुकस्य

(3) भट्टनायकस्य

(4) भट्टलोल्लटस्य

38. तात्पर्याख्यां वृत्तिं के स्वीकुर्वन्ति ?

'तात्पर्या' वृत्ति को कौन स्वीकार करते हैं ?

Who accept the 'तात्पर्या' वृत्ति ?

(1) अन्विताभिधानवादिनो मीमांसका:

(2) अभिहितान्वयवादिनो मीमांसका:

(3) जयदेवमिश्र:

(4) पण्डितराज-जगन्नाथ:

39. भावप्रकाशनस्य रचयिताऽस्ति –

'भावप्रकाशन' ग्रन्थ का रचयिता है –

The Author of भावप्रकाशन is –

(1) शिङ्गभूपाल:

(2) शारदातनय:

(3) रामचन्द्र:

(4) गुणचन्द्र:

40. काव्यप्रकाशे कति उल्लासाः सन्ति ?

काव्यप्रकाश में कितने उल्लास हैं ?

How many उल्लासs are in काव्यप्रकाश ?

(1) चत्वारः

(2) षट्

(3) दश

(4) अष्टौ

41. व्यञ्जनाविरोधी आचार्योऽस्ति –

व्यञ्जना वृत्ति का विरोधी आचार्य है –

The rhetorician not recognising व्यञ्जना, is :

(1) धनञ्जयः

(2) विश्वनाथः

(3) जगन्नाथः

(4) भानुदत्तः

42. 'मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति'

इत्यत्र 'लक्ष्म' शब्दस्य कोऽर्थः ?

यहाँ 'लक्ष्म' शब्द का क्या अर्थ है ?

What is the meaning of 'लक्ष्म' here ?

(1) चिह्नम्

(2) पुष्पम्

(3) लयः

(4) शोभा

43. तर्कसङ्ग्रहे पञ्चविधं भवति –

तर्क संग्रह में पाँच प्रकार का होता है –

In Tarkasangraha it is of five kinds –

(1) कर्म

(2) सामान्यम्

(3) अभावः

(4) द्रव्यम्

44. अयथार्थानुभवो भवति –

अयथार्थानुभव होता है –

अयथार्थानुभव is –

(1) त्रिविध:

(2) चतुर्विध:

(3) द्विविध:

(4) पञ्चविध:

45. व्रीहीन् प्रोक्षतीत्यत्र प्रोक्षणस्य व्रीह्यङ्गत्वं भवति ।

व्रीहीन् प्रोक्षति यहाँ पर प्रोक्षण व्रीहि का अंग होता है ।

प्रोक्षण becomes of व्रीहि in व्रीहीन् प्रोक्षति –

(1) तृतीयाश्रुत्या

(2) द्वितीयाश्रुत्या

(3) आख्यातश्रुत्या

(4) धातुपदश्रवणेन

46. व्रीहीन् अवहन्ति इत्यत्र विधिर्भवति –

व्रीहीन् अवहन्ति यहाँ पर विधि होता है –

The method in व्रीहीन् अवहन्ति is –

(1) नियमविधि:

(2) अपूर्वविधि:

(3) परिसंख्याविधि:

(4) गुणविधि:

47. ऐश्वरं यौगिकम् अयौगिकमिति त्रिविधं भवति किम् ?

ऐश्वर - यौगिक - अयौगिक इन तीन प्रकारों का क्या होता है ?

What is of these three kinds - ऐश्वर-यौगिक and अयौगिक ?

(1) प्रत्यक्षम्

(2) आगम:

(3) द्रव्यम्

(4) उपमानम्

48. योगदर्शनस्य भाष्यकारोऽस्ति –

योगदर्शन का भाष्यकार है –

The commentator of योगदर्शन is

(1) शङ्करः

(2) वेदव्यासः

(3) रामानुजः

(4) पतञ्जलिः

49. सांख्यसारग्रन्थकर्ता अस्ति –

सांख्य सार ग्रन्थ का कर्ता है –

The author of the book सांख्य सार is –

(1) कपिलः

(2) ईश्वर कृष्णः

(3) वाचस्पति मिश्रः

(4) विज्ञानभिक्षुः

50. अज्ञानस्य शक्तिर्भवति –

अज्ञान की शक्ति होती है –

The power of अज्ञान is –

(1) विक्षेपः

(2) विकल्पः

(3) विकारः

(4) विरोधः

Space For Rough Work